चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	16.9.23	3	1-5

कृषि में मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग : कुलपति

हिसार: आधुनिक युग में कृषि मशीनीकरण, मिट्टी और जल संरक्षण, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन व ऊर्जा प्रबंधन के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ाने में कृषि इंजीनियर अपनी भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन अब समय की मांग है कि कृषि क्षेत्र से जुड़े इंजीनियरों को किसानों की कृषि जोत व उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृषि मशीनों व यंत्रों को विकसित करने होंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा इंजीनियर सरएम विश्वेशवरैया की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित अभियंता दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कृषि पैदावार को बढ़ाने और कृषि में समय व श्रम की बचत के लिए मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग है लेकिन अभी भी कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन व खाद्यानों को भंडारण सुरक्षित रखने की चुनौतियां हैं।

उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के निदेशक डा. मुकेश जैन ने भारत रत्न पुरस्कार से अलंकृत श्री एम. विश्वेशवरैया को श्रद्धांजलि दी। कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. बलदेव डोगरा ने स्वागत किया। मंच संचालन छात्र नवयता, प्रद्युमन बिश्नोई, कीर्ति तंवर व ऋतिक पंवार ने किया।

मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए।

इकृषि में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थी

सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां : छात्रा सुनैना मोर ने स्टैंडअप कामेडी कर माहौल को खुशनुमा कर दिया। इसके बाद विद्यार्थियों ने अंध-विश्वास, राजनीति, मीडिया, अपराध, कानून सहित अन्य क्षेत्रों में फैले भ्रष्टाचार व सामाजिक कुरीतियों के साथ बदलती सोच पर कटाक्ष कर नाट्य का मंचन किया। अंत में हरियाणवी नृत्य में तेरे नैने चमक तलवार नागण सी व बोल तेरे मीठे-मीठे बाते तेरी साच्ची लागै गानों पर कलाकारों ने डांस कर समां बांध दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	16.9.23	5	1-3

कृषि में मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग : कुलपति काम्बोज

महान इंजीनियर सर.एम विश्वेशवरैया की जयंती पर हकृवि में मनाया गया अभियंता दिवस

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर काम्बोज दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए।

हिसार, 15 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): आधुनिक युग में कृषि मशीनीकरण, मिट्टी और जल संरक्षण, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन व ऊर्जा प्रबंधन के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ाने में कृषि इंजीनियर अपनी भूमिका निभा रहे हैं लेकिन अब समय की मांग है कि कृषि क्षेत्र से जुड़े इंजीनियरों को किसानों की कृषि जोत व उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृषि मशीनों व यंत्रों को विकसित करने होंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा महान इंजीनियर सर.एम विश्वेशवरैया की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए अभियंता दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि पैदावार को बढ़ाने और कृषि में समय व श्रम की बचत के लिए मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग है लेकिन अभी भी कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन व खाद्यानों को भंडारण सुरक्षित रखने की चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए कृषि इंजीनियरों विशेषकर युवा इंजीनियरों को आगे आना होगा। कार्यक्रम में उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन ने विश्व प्रसिद्ध भारत रत्न पुरस्कार से अलंकृत श्री एम. विश्वेशवरैया को श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके द्वारा दिए गए विज्ञान के क्षेत्र में अनूठे योगदान के बारे मेंचर्चा की। इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी भी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16-9-23	4	2-3

विद्यार्थियों ने नाटक के जरिये कुरीतियों पर किया कटाक्ष

एचएयू में इंजीनियर दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी। स्रोत : विधि

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में इंजीनियर सर एम विश्वेशवरैया की जयंती के उपलक्ष्य में अभियंता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि कृषि पैदावार को बढ़ाने और कृषि में समय व श्रम की बचत के लिए मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग है।

अभी भी कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन व खद्यानों के भंडारण को सुरक्षित रखने की चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए कृषि इंजीनियरों विशेषकर युवा इंजीनियरों को आगे आना होगा। कार्यक्रम में उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश जैन ने शोधार्थियों व विद्यार्थियों को सफल वैज्ञानिक बनने के टिप्स देकर इनोवेशन व नए आइडिया पैदा करने के लिए प्रेरित किया। छात्रा सुनैना मोर ने स्टैंडअप कॉमेडी कर माहौल को खुशनुमा कर दिया। विद्यार्थियों ने सामाजिक कुरीतियों के साथ बदलती सोच पर कटाक्ष कर नाट्य का मंचन किया। अंत में हरियाणवी नृत्य में तेरे नैन चमक तलवार नागण सी व बोल तेरे मीठे-मीठे बात तेरी साच्ची लागै गानों पर कलाकारों ने डांस कर समा बांध दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.9.23	3	4-5

कृषि में मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज। हिसार

आधुनिक युग में कृषि मशीनीकरण, मिट्टी और जल संरक्षण, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन व ऊर्जा प्रबंधन के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ाने में कृषि इंजीनियर भूमिका निभा रहे हैं। अब समय की मांग है कि कृषि क्षेत्र से जुड़े इंजीनियरों को किसानों की कृषि जोत व उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृषि मशीनों व यंत्रों को विकसित करने होंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विवि के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा महान इंजीनियर सर. एम. विश्वेशवरैया की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित अभियंता दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16.9.23	4	1-2

कृषि में मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग : कुलपति

हिसार, 15 सितम्बर (ब्यूरो): आधुनिक युग में कृषि मशीनीकरण, मिट्टी और जल संरक्षण, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन व ऊर्जा प्रबंधन के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ाने में कृषि इंजीनियर अपनी भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि कृषि क्षेत्र से जुड़े इंजीनियरों को किसानों की कृषि जोत व उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृषि मशीनों व यंत्रों को विकसित करने होंगे।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के कृषि अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा महान इंजीनियर सर.एम विश्वेशवरैया की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए अभियंता दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि पैदावार को बढ़ाने और कृषि में समय व श्रम की बचत के लिए मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग है, लेकिन अभी भी कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन व खाद्यानों का भंडारण सुरक्षित रखने की चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए कृषि इंजीनियरों विशेषकर युवा इंजीनियरों को आगे आना होगा। कार्यक्रम में उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, बिलासपुर के निदेशक डॉ. मुकेश जैन ने विश्व प्रसिद्ध भारत रत्न पुरस्कार से अलंकृत श्री एम. विश्वेशवरैया को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	15.9.2023	--	--

महान इंजीनियर सर.एम विश्वेशवरैया की जयंती पर हकृवि में मनाया गया अभियंता दिवस

कृषि में मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। आधुनिक युग में कृषि मशीनीकरण, मिट्टी और जल संरक्षण, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन व ऊर्जा प्रबंधन के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ाने में कृषि इंजीनियर अपनी भूमिका निभा रहे हैं लेकिन अब समय की मांग है कि कृषि क्षेत्र से जुड़े इंजीनियरों को किसानों की कृषि जोत व उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृषि मशीनों व यंत्रों को विकसित करने होंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा महान इंजीनियर सर.एम विश्वेशवरैया की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए अभियंता दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि पैदावार को बढ़ाने और कृषि में समय व श्रम की बचत के लिए मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग है लेकिन अभी भी कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन व खाद्यानों को भंडारण सुरक्षित रखने की चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए कृषि इंजीनियरों विशेषकर युवा इंजीनियरों को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के पास कम भूमि है उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना युवा वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इसलिए वे ज्ञान व कौशल को बढ़ाने पर ध्यान दें। ताकि उनके द्वारा विकसित मशीनों की सहायता से किसान भूमि की जुताई व बिजाई से लेकर फसल की कटाई व दुलाई का काम समय पर पूरा कर सकें। कार्यक्रम में उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन ने विश्व प्रसिद्ध भारत रत्न पुरस्कार से अलंकृत श्री एम. विश्वेशवरैया को श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके द्वारा दिए गए विज्ञान के क्षेत्र में अनूठे योगदान के बारे में चर्चा की। उन्होंने युवा शोधार्थियों व विद्यार्थियों को सफल वैज्ञानिक बनने के टिप्स देकर इनोवेशन व नए आइडिया पैदा करने के लिए प्रेरित किया।

कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने स्वागत किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन छात्र नवयता, प्रद्युम्यन बिश्नोई, कीर्ति तंवर व ऋतिक पंवार ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों ने पुराने व नए गानों के कंबिनेशन संगीतों पर थिरकर दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। उसके बाद छात्रा सुनैना मोर ने स्टैंडअप कॉमेडी कर माहौल को खुशनुमा कर दिया। इसके बाद विद्यार्थियों ने अंध-विश्वास, राजनीति, मीडिया, अपराध, कानून सहित अन्य क्षेत्रों में फैले भ्रष्टाचार व सामाजिक कुरीतियों के साथ बदलती सोच पर कटाक्ष कर नाट्य का मंचन किया। अंत में हरियाणवी नृत्य में तेरे नैन चमक तलवार नागण सी व बोल तेरे मीठे-मीठे बाते तेरी साच्ची लागै गानों पर कलाकारों ने डांस कर समां बांध दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने राजस्थानी गानों पर भी बेहतरीन प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी भी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	15.9.2023	--	--

कृषि में मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग : कुलपति

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। आधुनिक युग में कृषि मशीनीकरण, मिट्टी और जल संरक्षण, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन व ऊर्जा प्रबंधन के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ाने में कृषि इंजीनियर अपनी भूमिका निभा रहे हैं लेकिन अब समय की मांग है कि कृषि क्षेत्र से जुड़े इंजीनियरों को किसानों की कृषि जोत व उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृषि मशीनों व यंत्रों को विकसित करने होंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे कृषि अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में आयोजित किए गए अभियंता दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थी

प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि पैदावार को बढ़ाने और कृषि में समय व श्रम की बचत के लिए मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग है लेकिन अभी भी कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन व खाद्यानों को भंडारण सुरक्षित रखने की चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए कृषि इंजीनियरों विशेषकर युवा इंजीनियरों को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के पास कम भूमि है उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना युवा वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इसलिए वे ज्ञान व कौशल को बढ़ाने पर ध्यान दें। ताकि उनके द्वारा विकसित मशीनों की सहायता से किसान भूमि की जुताई व बिजाई से लेकर फसल की कटाई व गुलाई का काम समय पर पूरा कर सकें।

कार्यक्रम में उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन ने विश्व प्रसिद्ध भारत रत्न पुरस्कार से अलंकृत श्री एम. विश्वेशवरैया को श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके द्वारा दिए गए विज्ञान के क्षेत्र में अनूठे योगदान के बारे में चर्चा की। उन्होंने युवा शोधार्थियों व विद्यार्थियों को सफल वैज्ञानिक बनने के टिप्स देकर इनोवेशन व नए आइडिया पैदा करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अधिकारी न्यूज	15.9.2023	--	--

कृषि में मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग : कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज

महान इंजीनियर सर एम विश्वेश्वरैया की जयंती पर इकृवि में मनाया गया अभियंता दिवस

adhikarinews.hisar: आधुनिक युग में कृषि मशीनीकरण, मिट्टी और जल संरक्षण, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन व ऊर्जा प्रबंधन के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ाने में कृषि इंजीनियर अपनी भूमिका निभा रहे है लेकिन अब समय की मांग है कि कृषि क्षेत्र से जुड़े इंजीनियरों को किसानों की कृषि जोत व उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृषि मशीनों व यंत्रों को विकसित करने होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	15.9.2023	--	--

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्तूबर से शुरू

किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों व श्रीअन्न के उत्पादों को जानने का मिलेगा अवसर

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 15 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्तूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल

भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों को कृषि तथा गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग की जाएगी। यह बुकिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं चैम्बर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रिज द्वारा की जाएगी। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।